

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा



सर्वद्वन्द्वमिति ज्ञात्वा तु कुरुपंचमीनादित्युक्ता
त्रयं च नूनालाके वा इति सित्याही मरुथ यागोपा
कगल

ASHA ARCHIVES

3540

१ॐ नमः ४॥ चन्द्रमायानमः ४॥ यडाधि
नि यगुयनि प्रियं लक्ष्मीयनि ह्रु (थेव
च ॥ नमः ह्रु गयदवाय सरु सचलिरवा
म ॥ ह्रु थक्क ह्रु वाक्क ह्रु यडमान लूमि
वाय सानयाय ॥ ॥ स गिक्क ह्रु मडागि
(थं वसय ॥ ॥ यडमान यूय रुडनया

चक्र ॥ अद्यादि ॥ वाक् ॥ यत्तु मानस्य स
हस्रचन्द्रावली कनकलसार्चननिमित्त
र्थं यथ्यहाउ न समर्थयामि ॥ ॐ आदि
त्यगसिमं गलाद्यादि ॥ ॐ शुद्धिमानं त्या
दि ॥ ॐ श्री भद्रादाय वरं सुखाय च निवेद
सालं कर्म (गमनि, वि) (व्यस्यिचमानम)

मृगमयः यथा यमाना उगम ॥ उवाउ
वदया वरं गलवय ४ सर्वार्थसिद्धियुक्त ४
सर्वा मान्नी मृगानि वि ४ निव कला चर्कं मुक्त
निरस ४ ॥ सिद्धि वस्तु त्यादि ॥ दधि नष्ट
वाक् ६, द्वाय ॥ कादि नावरुर्मख ॥ ॥
गगावाक् (दानसूयाद्यिथाय ॥ अद्यादि ॥ वर

ॐ ॥ गायत्री न्यास ॥ ॥ अर्चयूता ॥ आत्म
यूता ॥ ॥ गंगादात्रयूता ॥ ॐ गन्तामि
त्यादि ॥ ॥ आवाहनादि ॥ ॥ रुद्रि (गुरु
कलसयूता ॥ ॐ आर्जियकलसं त्यादि ॥
आदित्यादि नवगुरुयूता ॥ ध्यान वदथ
वथव सुमिलं १० ॥ ॥ गंगा उरु नमस्तु ॥

ॐ अर्जियकलसं ॥ ॐ य
केनय ॥ ॐ ॐ मंमर्ग ॥ ॐ सिगासिग ॥
ॐ उयद्वय ॥ आवाहनादि ॥ ॥ गंगाम
चन्द्रविंयूता ॥ ध्यान ॥ ॐ चन्द्रमा अमृतात्य
नं द्वि शुद्धं गंगालीकृ नं ॥ धनिर्ग यद्वनालं
च ध्यायद्द सासनं सिगं ॥ विद्या उरु लि ३ ॥

ॐ ॐ मंदवा ॥ ॐ श्रीगुरु ॥ ॐ गुरुगुरु ॥
॥ ॥ गंगा गुरुगुरुमावीरि यूता ॥ ॐ गुरु
गुरुमाय ॐ दमासनीनमः ४ ययनमः ४ ध्यान ॥
ॐ ग्यामवेर्क मदावीर्य स्वजयात्यः
हययुदं । गुरुगुरुमासि दाय दाय
यार्य सुगारुमं ॥ ॐ गुरुगुरु ॥ ग्रावा

दनादि ॥ मुनि । वदुता निनमः मुख्यं द
गामासि सुगारुमं वदवदागि संयुक्तं
गुरुगुरुमायननमः ४ गुरुगुरु ॥ १ ॥
ॐ वलव ॐ दमासनीनमः ४ ययनमः ४ ध्यान
न ॥ ॐ वृक्क गुरुदयं वादु दिगिष्ट (गर्तः
पुस्तं हि गं । मनिवत्ता रुयं रुमं ध्यायन

चवलि सदा ॥ ॐ मदीशो ॥ मुनि ॥ श मित्र
एन वृसं या फं रु मिदान नय रु ली ॥ ग कुद
वीरु विद्या नि नमस्तु वलि मूर्त्य ॥ अगुग न्ध
दि ॥ २ ॥ ॐ या साय ॐ द मा सन नम ४ य यं
नम ४ ॥ ध्यान ॥ ॐ यी गवर्ध, यु गिरासं युक्त
की वन दं कचं । सर्व ॥ मु युव कोचं वा संच

ध्यायन सदा ॥ ॐ यस्यायू म्मा ॥ मुनि ॥ सर्व
सामुं यद्वागवा सर्व कार्य यु नि सिनं । युव
द नी गिग मरु नमस्तु वा सदा वगा ॥ अगुग
न्ध दि ॥ ३ ॥ ॐ रु नमग ॐ द मा सन नम ४ य
यं नम ४ ॥ ध्यान ॥ ॐ वायु यु गं मलावी यो या
युथा गिलावनं । विगुलं मुष्टिकं रुक्तं आ

के न न ल मरु ल प्री ति ९

यनरुनमानसदा॥ॐगीवानद्यायी॥सुनि॥
नकवर्गमहावीनवायुयुगिल्लावन।कन्द
मूलरुलयीनिदनुमानायननमः॥गुणग
न्धदि॥५॥ॐविशीषलभयवृन्दमासनन
मः॥युष्मिनमः॥ध्यान॥ॐयोलल्लकुलसंरु
नं॥कूकूमाकूउडदयी।गदाधननामभय

धायनयविशीषली॥ॐनकसंरुल्लसि॥
सुनि॥योलल्लकुलसंउगल्लकायीचम
दामिन।उडसाधियगयेव।नमस्तुचविशी
षली॥गुणगन्धदि॥६॥ॐकूयात्रायीय
वृन्दमासननमः॥युष्मिनमः॥ध्यान॥ॐधू
मुवर्गमहानेडं।(ध्वगधीनमहादुनि।रुन

दाऊकुलडागीं, आथनकयवीचवान् ॥ ७७
य० सरुसमृ ॥ मुनि ॥ सविनाडनमस्तु र्खि
नदाऊकुलादुर्वी। काबूथनिधर्यायानि क
याययनमात्मन ॥ ७८ ॥ ॐ यनमुनामाय
ॐ दमासननमः ४० ॥ ॐ यनमः ४१ ॥ ध्यान ॥ ॐ
ध्यानदगिक्लाहू गी, या ॥ ४२ ॥ ॐ यनमः ४३ ॥
य म

ॐ यनमः ४४ ॥ ॐ यनमः ४५ ॥ ॐ यनमः ४६ ॥
ॐ यनमः ४७ ॥ ॐ यनमः ४८ ॥ ॐ यनमः ४९ ॥
ॐ यनमः ५० ॥ ॐ यनमः ५१ ॥ ॐ यनमः ५२ ॥
ॐ यनमः ५३ ॥ ॐ यनमः ५४ ॥ ॐ यनमः ५५ ॥
ॐ यनमः ५६ ॥ ॐ यनमः ५७ ॥ ॐ यनमः ५८ ॥
ॐ यनमः ५९ ॥ ॐ यनमः ६० ॥ ॐ यनमः ६१ ॥
ॐ यनमः ६२ ॥ ॐ यनमः ६३ ॥ ॐ यनमः ६४ ॥
ॐ यनमः ६५ ॥ ॐ यनमः ६६ ॥ ॐ यनमः ६७ ॥
ॐ यनमः ६८ ॥ ॐ यनमः ६९ ॥ ॐ यनमः ७० ॥
ॐ यनमः ७१ ॥ ॐ यनमः ७२ ॥ ॐ यनमः ७३ ॥
ॐ यनमः ७४ ॥ ॐ यनमः ७५ ॥ ॐ यनमः ७६ ॥
ॐ यनमः ७७ ॥ ॐ यनमः ७८ ॥ ॐ यनमः ७९ ॥
ॐ यनमः ८० ॥ ॐ यनमः ८१ ॥ ॐ यनमः ८२ ॥
ॐ यनमः ८३ ॥ ॐ यनमः ८४ ॥ ॐ यनमः ८५ ॥
ॐ यनमः ८६ ॥ ॐ यनमः ८७ ॥ ॐ यनमः ८८ ॥
ॐ यनमः ८९ ॥ ॐ यनमः ९० ॥ ॐ यनमः ९१ ॥
ॐ यनमः ९२ ॥ ॐ यनमः ९३ ॥ ॐ यनमः ९४ ॥
ॐ यनमः ९५ ॥ ॐ यनमः ९६ ॥ ॐ यनमः ९७ ॥
ॐ यनमः ९८ ॥ ॐ यनमः ९९ ॥ ॐ यनमः १०० ॥

ॐ शान्तमिन्द्र त्यादि १०॥ ॥ गंगाचन्द्रमाः
वधयुता ॥ ॐ अर्ययुवा ॥ ॐ वधवारुनीत्या
दि ॥ आवाहनादि ॥ ॥ गंगाउत्तमयलिकायुः
जा ॥ ध्यान ॥ ॐ कृष्णकिनारुवागृजित्यादि ॥
ॐ गा अस्या ॥ ॐ सकसमय ॥ ॐ पुनस्त्या ॥ ॥
पुनः ॥ वाचचन्द्रयुता ॥ पूर्वगंगा ॥ उत्तरगंगा ॥ ॥

ॐ २
गङ्गास्वर्गावनधनत्यादि ॥ अष्टगन्धदि ॥ ॥
गङ्गा अष्टगन्धमादियुतनी ॥ अष्टगन्ध ॥ ॥ ॥
मासादियुता ॥ ॐ अष्टमासात्यादि ॥ ॥
सप्तगन्धयुता ॥ यविलह ॥ यविग ॥ यगवि ॥ वृ
डाककवका ॥ लिचन ॥ ॐ वसायविगमसि ॥
ॐ दिवसयुग ॥ ॐ दधिकायुत्यादि ॥ ॥

यत्तैवलियूडा ॥ ॥ कलैखवलियूडा ॥ ॥
खानवलि ॥ ॐ अं गभाय सुमिनन्दनय दि
शमू र्कयवलि ॥ ॐ अं गिर्मूर्धा ॥ ॥ ॐ गनि
नायसूर्यायुगाय दिशमू र्कयवलि ॥ ॐ गना
द्वी ॥ ॥ ॐ नारुवसे दिकाकाय दिशमूर्कय
वलि ॥ ॐ कयानधिगु ॥ ॥ कथायूडा ॥ ॐ

आकृष्णत्वादिका ॥ ॥ गना (गमग्रमसाकोमात्रा
यूडा ॥ ॐ नमोग (गत्या ॥ ॐ आर्य (गो ॥ ॐ
जागयस ॥ ॥ नउमंर ॥ ॐ वृत्तचक्र ॥ रुल
क ॥ ॐ अन्नयन ॥ दूक ॥ ॐ दीर्घायुता ॥ ॥
आकासमाल ॥ ॐ अस्माकमिन्दु ॥ द्रुल्लन ॥
ॐ समिग ० ॥ सिधनमूदू ॥ ॐ गीश्वर ॥ ॥

वयुः ४ स्वस्ति ॥ ॐ स्वस्ति नमो नृदात्यादि ३ ॥ धृय
दीय ॥ दालकि यागमगाच्छाचक कंचदनुधि
स कलशा ॥ नैवद्य ॥ ॐ मनाइ मि ॥ युमिवा ॥
जाय ॥ मुमि ॥ आदि ल्यानिर्मगवात्यादि ॥ शुद्ध
भर्तृत्यादि ॥ दालादार्क वसं रुवात्यादि ॥ शु
र्गंधादि ॥ ॥ वायुलयायुडा ॥ भक्ति क। वृष्टि

क ॥ यथंगवायुलयायुडा ॥ मुख्यं डयडा सिन ॥ ग
ववाड गति पप्र आयादन ॥ ॥ गनीऊऊ
माननखानकमानक ॥ वृगार्चलयाचक ॥ धृय
दि ॥ ॥ गमागुहया अर्चयाचक ॥ नत्तसदिग ॥
पूर्वार्धिसूर्ययादि ॥ धृयादि मुमिल ॥ ॥
भक्ति कखानविय ॥ ॥ गमा अष्टवक्त्रमाय

अर्घ्याचक ॥ नत्तमदिगम् ॥ ॥ ~~अर्घ्याचक~~ ॥
॥ सूर्याविम्बम् ॥ ॥ वधमर्घ्याचक ॥ ॥
मनाशुद्धदानयाचक ॥ विधि (थं) ॥ ॥ यज
नर्वमाचकं स्वस्ति कसम ॥ नृवच न अग्नि
रुचको ॥ मृत्पुत्रयकलमास्थिक ॥ अर्घ्ये
नर्लखराय ॥ सा (अ) लाचननगचक ॥ ५

लं चम ॥ ॐ यदयक ॥ यनिलं च यविमवि
य च ~~म~~ ॥ ॐ वसायविममि ॥ नृदाकद्रसम
सूर्यक ॥ ॐ दिव्यवर्क ॥ लं अं गुलिविय ॥
ॐ दिव्यगर्क ॥ विना निविय ॥ ॐ अस्माकमि
न्द ॥ चन्दनादि सुयन आणीर्वाद ॥ ॥
थना अस्वस्मादानयाय चक सयायाव

गया ॥ ॥ धनाभाय वसा दानयाय ॥ वास
नयूजा ॥ कंयूवका थोयन ॥ फण ॥ नमामु
नं गाय ॥ ॥ सायूजायाचक ॥ चन्दनादि ॥ दान
नवाय ॥ वानादक ल्यादि ॥ मासनक गुल्फ
दि ॥ ॐ गवाना गवचूयन (गम दानाचिमहा
रुली ॥ यल्लुली सर्व गीर्धनी काठिकाठिगु

ली रुव ७ ॥ (गम दाननमहागमनि काययीठा
यनासन ॥ ॐ रुवाकमवाथामि यवलाक
नुमूकय ॥ अगगन्धदि ॥ ॥ धनायागवा
सनद्रसकाथगानकावचाय ॥ ग्यय (गठ
१५ गया ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ सकयथजायक ॥
ॐ यून दसा विष्णूय ॐ नू ननु महिमा

नं। नृकयदि ॥ द्वियदि। गृयदि। यगु यय
दि। यययदि। यययदि। सययदि। गुवना
नियथ ॥ स्यादा ॥ ॥ यनाननगुदगुलियाचः
क ॥ अद्यादि ॥ विधि। (थं) ॥ धूय दीय नेयशां
जाय ॥ मुनि ॥ अवाक सुमर्षाद्यादि ॥ आदि
ह्यगामीर्गलाद्यादि ॥ शुद्ध भर्तृत्यादि ॥ ॥

गमाचन्द्र विवृष अर्चयाचक ॥ वावाहक ल्यः
मासनकृत्वादि ॥ क्रीवादाहर्षवर्षरुर्गं अ
गृह्यसमूहवर्ष। गृहानाद्यगामीर्कायत्रादि
नासहिगायच ॥ गीयकायत्यादि ॥ ॥ मूल्यं
ऊय अर्च ॥ ॥ अगकस अर्च ॥ ॥ मुनि ॥
नमा मुनि निगमाथ लकीश्वर नमा मु

४॥ विमित्रायूर्ध्व चन्द्राय गानाधियगयनः
म४॥ अगुगन्धदि॥ ॥ द्रवशागीर्वादि॥ ॐ
ॐ मं दवा॥ ॥ गगायडमानथडाशा॥ चू
ययनिमरुसू यूडाई २॥ ॥ वाद्र एह्यं ह
लिवाचं य (थन॥ चन्द्र मलुहायक॥ वाक ३॥
॥ ॥ यडमानेनचन्द्र विमूदायाचक॥ वा

क॥ चन्द्र विम्वयुगीकाङ्गि निर्मलचेवमद
नी॥ ददामिनीदिडा (ग्रथ मग४॥ निरुययचू
म॥ अग्रहादि॥ ॐ दं कागियागुं दधिदूग्य
यगयूविन (यगगिलदूर्वाकग (यगवसु कू
दिगसमं विन॥ वाद्र एह्यं ॐ दं कागियागुं
चन्द्र विम्वसहिगदु चमदीसंयुदद॥ मुमि॥

नमः शक्रमुनिः मनाथ वादिना प्रियवत्तरुः ॥
नमः शक्रमुनिः स्वाय कलाया उवाच नदी ॥
॥ शुभाग्रि ॥ ॥ सूर्यादिभूदानथना ॥ ॥
नमः शक्रमुनिः याय ॥ वाद्रुल यूडा ॥ पूर्ववत् ॥
दानवाक् ॥ नमः शक्रमुनिः दानवाक् ददत् ॥ शु
शवानादुक्तं ल्यादि ॥ मासनादुक्तं ल्यादि ॥ वाः

द्रुल्लानवाक् ॥ नमः शक्रमुनिः सुखमदीर्घं यदद ॥
॥ ॥ वाद्रुल अन्नसंकल ॥ ददि ॥ ॥
वलि विसर्जन ॥ वलि श्वाय ॥ मृत्युं जय कल
गिरिषक ॥ वन्दनादि सुलभना ॥ वदि ॥
श्रुति ॥ शक्र विय ॥ कामात्री विसर्जन ॥
वन्दमानमस्कान ॥ निवसक सवाक् ॥ ४ ॥

यजमानस्य शक विद्य ॥ सप्तनमनाङ्कय
कलङ्काययक ॥ एकक ॥ थनसुसुचः
दयाविधिः समाया ॥ ॥ श्रीमन्मन्त्रवलाह
न अष्टसुमादिनवग्रहाच्चनकलम्भच्चन
यूजानिमित्तार्थं थथ न वाक्कयायदवा ॥ ॥
प्रकाशानिच वर्यादि मासमकनहंयुगं ।

सुसुचदमिदंयाकं मूनीनामपिदुर्लभं ॥
वर्य ८१ मास १ वर्यमासमर्धं सनं थन अंक ॥
अधिकमासनदालकि ॥ १००० ॥ ॥
अष्ट अष्टानिवर्गानि अष्टमासं दिनकथा
मन्त्राचथमिदंरूपं मूनीनामपिदुर्लभं ॥ वर्य
८८ मास ८ दिन ८ थन युनसमन्त्राचथ ॥ अः

धिमं समर्थं सनं दनमान ॥ ॐ ॥ ॥ ॥
 शगमा अष्टमं गन दानं ॥ श्रीवत्स ॥ वाक्त्र ॥ य
 डा ॥ यरुर्धदा आधिन त्यादि ॥ वीरि यूडा ॥
 श्रीवत्साय नमः ॥ अश्वत्थामाय नमः ॥ श्रीव
 त्स श्रीप्रियत्वाद श्रीयगवद स हिम ॥ श्रीसो
 माय स यरिद हिम त्वं कृपा कृनु ॥ नृगुक्ती

वत्स दानं दानार्थ ॥ ददत्त ॥ वानाद कल्य ॥
 मास नरु ॥ यडा मानस्य सद्म चन्द्रावभाक
 ननिमित्तं थ अमूक वद अमूक नाम ॥ ॐ दं श्री
 वत्स दानं तु स्यमर्हं स युदद ॥ अनन दाननः
 अश्वत्थामासु श्रीगावद दारु वं ॥ ॐ कादा
 ॥ ददि ॥ आभा वीद ॥ ॐ अश्वत्थवा ॥

श्यामं कौकलशाचनेन

सुनि॥ चित्रायुर्गं डिगमिर्गं विद्यानि गद्योत्र
व। कृत्तुमासक्ति गानर्त्यं अश्वस्तुमायमनम॥
अग्नगन्धदि॥ १ ॥ गगायुष्टुनीक दानं॥ वाक्॥
युष्टुनीक गगाकावदवानां यत्रमं प्रिय। यष्टु
नीक युदानन दीर्घमायु ययकुम॥ युष्टुनी
क दानं दानवर्ष॥ ददस्य॥ मूकवीहियार्गं॥ अ
ददि॥

गार्वा^४द॥ मदीशो॥ सुनि॥ यथ अहिवलवालाक
वलित्वं यवनश्वना। यथ विद्वहि मां नित्याया
गन्धरुनिवसुर्ल॥ अग्नगन्धदि॥ २ ॥ अश्वदानी॥
वाक्॥ अश्वदधमिदं दर्वं गगूनां उयकां कय
गमात्वं अश्वदानन उयत्वं रुलसिद्धय॥ अ
श्वदानी दानवर्ष॥ ददस्य॥ मूकवीहि॥ ददि

६॥ आगा वाद ॥ ॐ यस्या कूर्म ॥ मुनि ॥ वि
कृदियां सगंगय गयि धर्म विनंजन ४ मम उ
नमदिन वाद्य ॥ नमि यक नमा मुन ॥ अगुग
न्मदि ॥ ३ ॥ कल गदान ॥ वाक् ॥ कल गलं
यदवानां मूर्ति मंगल सच ॥ सर्व नीर्थ मयी
यस्मा ॥ नम ४ ॥ नमि यय कर्म ॥ कल गदानं द

गद्य ॥ दद ह ॥ कूर्च थवी दि ॥ ददि ६ ॥ आगा
वाद ॥ ॐ गीवान्धारवान् ॥ मुनि ॥ दनु मन्त्र
वायु युगा वलन सहि मायुग ॥ यादि मां दृष्ट्वा
गस्या विष्णु वाच मनस्मान् ॥ अगुग न्मदि ॥
॥ ४ ॥ याम लदान ॥ वाक् ॥ याम न च मन्त्रा
मस्मा न्ना वाग्नी चक वलि नी ॥ यान् चन्दन

संकासं मन् ४१ भक्ति युयुक्ता ॥ तामस्य दानं
दागव्यं ॥ ददत् ॥ कानमारवतीदि ॥ ददित ॥
आशादि ॥ ॐ नमः साक्षात् ॥ गमि ॥ मुनि ॥ विरा
सदा यथाश्रमा विनायुधवनीनय ॥ विक्रु
क्रियवानिर्णयं नयेवयुक्तामार्गं ॥ अष्टमन्त्र
दि ॥ ५ ॥ महसदानं ॥ वाक् ॥ विक्रु ह्रीं मन्त्रानु

यनं लगुदन अवह्निर्गं ॥ गमामस्य दानं
न गन् ४१ भक्ति युयुक्ता ॥ मन्त्र दानं दागव्यं
ददत् ॥ कलावतीदि दानं ॥ ददित ॥ आशा
दि ॥ ॐ अयं ० म ॥ मुनि ॥ कथायनमर्गाण
कृ मुनिनां युवनाम निशानमामि मुनिर्णयं ॥ गः
न मम उक्त निर्वर्तन ॥ अष्टमन्त्रादि ॥ ५ ॥

कृष्णदानं ॥ वाक् ॥ अथ तुष्ट अथ न कलिय
द्रिदयययचक्रम। वां चि नं यागवर्कस्यं कृष्ण
दानं ममाह्वनं ॥ कृष्णदानं दानव्यं ॥ ददत्त ॥
मायव्रीहि ॥ ददित् ॥ आशावादि ॥ शुं युजा
यम ॥ मुनि ॥ गनि दत्ता लाक् ॥ अथाय न कृष्णः
नलसं निरु ॥ गनि दत्त निमयायं यमद ॥ ७ ॥

महावल ॥ अथ गन्धदि ॥ १ ॥ गीश्वदानं ॥
वाक् ॥ नलाकनसमूहस्य सजान गीश्वनामग।
॥ ॥ गीश्वदानं
दानव्यं ॥ ददत्त ॥ लाजाव्रीहि ॥ ददित् ॥ आ
शावादि ॥ शुं सयक मयय ॥ मुनि ॥ मार्क ॥ तुचम
हाराग ॥ मार्क ॥ तुचमहामूनि ॥ नमा मिमू निर्युं ॥

अनुगन्तुमिदि॥

१॥ चिन्तनीयानामाशुभं ॥ अथ दानविधिः ॥
उक्तं ययुष्ये ललाटाथ प्रकियके ॥ अथ यजमान
नमय ॥ मनुय दायके ॥ चाक ३ ॥ नथ जाग्रा ॥ ह
लिवाचनं य ॥ ७७ ॥ अथ जाग्रा ॥ नथ जाग्रा ॥
वाक्म दायुडा ॥ नथ दानं दानं दानं ॥ द द द ॥ दान
वाक्म ॥ वाक्म द क ल्य ॥ मास न द ॥ वाक्म ॥ अ

अथ ययुष्ये ललाटाथ प्रकियके ॥ अथ यजमान
नमय ॥ मनुय दायके ॥ चाक ३ ॥ नथ जाग्रा ॥ ह
लिवाचनं य ॥ ७७ ॥ अथ जाग्रा ॥ नथ जाग्रा ॥
वाक्म दायुडा ॥ नथ दानं दानं दानं ॥ द द द ॥ दान
वाक्म ॥ वाक्म द क ल्य ॥ मास न द ॥ वाक्म ॥ अ

विपुलं

अथ नथ दानं दानं दानं ॥ अथ दानं दानं दानं ॥
यं सूर्यालाकं सगच्छ मि ॥ अथ दानं दानं दानं ॥
नथ दानं दानं दानं ॥ अथ दानं दानं दानं ॥

कदमयुगमवक्त्रि नमः कुवत्वाप्तमयुवमव
लाकी यममृद्धिमदायत्वरुवनकामन्द
थयमदेवगुरुयमदीर्घयुद्ध ॥ अन्ननदान
नयथागमसुखलदायिनाभवन् ॥ वायु (६)
नकादाय (७) ॥ दक्षिण ॥ आगवाय ॥ (८)

ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री
हरिगणनिर्गु ॥ ॥ सुन्दरस्याप्रवालाञ्जि. प्र
पुवनानुबधाई ॥ स्याप्रमनोहरदासग
पालामधुवनानुबधाए ॥ धनुबधाय
थकि तनयहे वैधवसुरिवजाय ॥ १ ॥ कं
सकि वचनले स्यायपुतनापूदपिलावय

यसाः बालप कृष्ण न्य दुद पिलाय. नव नारित
नमसा ॥२॥ जम् नारि मे धनु वधाय. ग
इपि वे जल पानिः जो जो पि वे सव प्र रि जा वे कृष्ण
अर भु त मा नेः हो ॥३॥ दे षि य कृष्ण ने क ई व च धि
के सह भ्र फ ति को दे षा य. का लि ना ग कि सिर पर

वैथ ना वे त व सु रि व जा ई ॥४॥ विन्दा व न मे गो पि
निकं न्या सव को दि गं वर अ रिः जो पि नि क हं य ह म
अ व ला को. तु म वि नु मे नि न को हि ॥५॥ कं सा स
र को के स स मा रे. मा रि के ज म को प थ यः ॥६॥ रि स्प
न को रा ज ति र क दि य. दे व ग न ह र ष व धा य ॥७॥

॥ सतुमारि अम यम दारिद्र्य को दूषयु ताईः मे
 रिजन प्र को पाप दू ताई दरसन दे हो तुमारि हो ॥ ७ ॥
 ॥ राज निर्गु ॥ दिन के घत मे भग का नव से हरि ओ उरन
 को नाम लिखो न लिखो ॥ ८ ॥ जब मान लिखे हरि का
 त गति यक पूत्र के दान लिखे न लिखो ॥ ९ ॥ दिन के



द्रव्या ॥ राग ॥ सख ॥

नृप ।

नृपति श्री गंग गंग जि वहे ॥ यक कु द्रा के पानि पि
 वे न पिवे ॥ १ ॥ आ क ह्म के से अने क स पि हे ॥ य
 क तो सि ग मार भई न भई ॥ २ ॥ जब ओ ला ना
 थ वि वार लिखो ॥ त व वर दू वे तो पाप के ते ॥
 ३ ॥ ॥ वि वारा लु सि को वि के न य ने पापि

के कंषा ॥ स्वाहा रिमाल पा जि पि वि वा कु ङ्कि
या ता चै व जि ता कु ॥ १॥ पा सि ज्ञा मृ सि ति रि सि
ह कि या म वा कु सि ॥ वि ॥ २ ॥ ॥ रा ग म्मा री छु
र प ॥ छै र डा ॥ लू त ह रि तू ग्ना न द म्
ल वा ह न लू द र र्ग र न व द न पा य र

वाजे जप नन ३ बार न ॥ ॥ नाग हा
 रर कं यरु रवन माध्य ल्यजित तपि
 छर ॥ दृष्ट मादक गन यजे मक दीत म
 नोहर ॥ ॥ कयर वा मर करन क
 दर लि धि ल्यजित य लन ॥ कन क

ॐ ॥ १० ॥

मनि मय म कृत उ पर बार यं प्रलक्ष
रिनि ॥ ॥ देव प्रनि लन ध्यान कर
ह विघ्न न रा जा वि ना घन ॥ अतः त
वत देह ॐ ह पद का मता कर पा य
क ॥ ए र आ पर त ह सि आ न द ॥ ३ ॥

रागा ॥ व्याह चारि ॥ ॥ का व रा म ना म ह
द न ग्या न ॥ अ थि र ल खार या म स्त्रिया
॥ ॥ ॥ द न द न द का म लु म्ना उ ह तान
ग व वि द या द्या न या द यि ल क तान ॥ १ ॥
द न ज न जो अ न ॥ ए वा दि या पा हा न

रल २ ग म द य का द धि छ ग म ङ
 न ॥ २ ॥ हा क ह व ति द म र टि र म
 पु द तान ॥ रा र्णा रि णा भ र णा न वा य
 ह र म न ॥ ३ ॥
 शो यो नाम धुवन मे । वृदा व ण मे कौण स तिल मे

अञ्च र्भ्या मा या र नि र्भुवर्णि
 व सि द्धा र नि मा नि क्य
 वा स या र र्भे द्य
 रु ने मा न र र्भो ह
 वि भी ष णा र नी ल
 रु द्या या र वै दु र्ध
 प र्भे रा म र ह ले
 मा र्क र्क उ य र मा नि क्य
 अथ जौ ले वि धि मा ल क
 ता ये ज न म का र्ण
 यो ता ये ज न म का ला
 पुं र्भे ता क ले स र र्भ
 सि कं मा स र र्भ
 सि भ्य पुं जौ ला र्भे

धृजो ज्योतिः
 त्रिंशद्भ्यो
 गोपुत्रो
 वल्लिमाक
 उषो वल्लिमाक
 मे लोने वल्लिमा
 गोले गो
 गोत्रो गो
 कुल्लिमा
 वल्लु ३०
 नृपति ३०
 आरक्षि
 वरपति ३०
 लारपति ३०
 सोदुदु
 सोधलि

धृल
 सोदव
 कलि
 गहयावृ
 द्वावा
 मुमुष
 वृका
 इको
 नेछो
 कयो
 मास
 मुसा
 कुल
 अधा

अश्वत्थामायावृ
 वृवा
 इको
 मुसा
 मास
 कदुगु
 नेछो
 म
 अधा
 गहया
 मासा
 शंरव
 धृवा
 धृनि
 आंगु
 सदा
 कदुगु
 कादु
 गहया
 अधा
 धा

सि जल वा ना
 कं हि
 लुं यां सूर्यो विम्व
 ह्या उं यान
 कं स वा ना
 के ल
 वरु या च नु विम्व
 तो दु पा न
 जो रु ला सा पु वा
 लो ल मा लो ल चा
 तु कि
 सि दि वि
 ह्या उं का पो पु ये

॥ काम ॥

स लि मा ल क
 ल वे
 सि फा
 ना रु चा
 इ ना ये रु लु
 मि वि चा
 को ल
 चे कं
 पु वा कु
 मा स
 म्वा न
 ला
 स न धा रा
 शं र व
 गा गा ज ल
 र शो य धा
 चा रु क
 इ ल्का
 प ल्का
 मा ना कि
 मा धि
 उ वा ल
 उ व थ चा क ले स
 स रु स धा रा

रवये

हुके

रवलचन्दन हेलमाधे
चतुस्तमचैन धलिवभि

लुं चेन

लुंयाः हलसः कुंद

स्मानः फको

सिसाफलः फको

पुजावालिः फको

जोसिः आवाः

सप्तपथ यातः माल

रव १५ रवये

लुंका

लामलः वज्रिकेया

१०८

नोयसाः नलने

उदालपा ३

गु १ कएषनाका

गुर्दधंचपनाका

रनिः गुरुदाः अम्भ

ध्यामायाः सतिनन

कायोका ५ ह्याड

कोत ५ नोय

हेय ५

विना ५

कुं कुम ५ कोतका १

ना ५

कायायेया

ला ५ येमाल

पश्चिमया

मुगी वात्रकाप

मार्कण्डेयया

नेहो नुत्रकाप

नवग्रहया वैरि

आदित्यया स्कंध

ह्याडकाप

सोमया

तुईजाकि

भुद्रम नुइका

प

मंगलया

पकाह्याड

काप

बुधया

शुक्रया

बुधया

वृहस्पतिना

नेहोह्यासु

काप

भुक्रया

कथेनु

तुईकाप

शनिश्चरया

मास-वाड

काप

वृहया चन्द्रविंश

लुया सूर्यविंश

वृहया रथ

नवरत्न

काशवागो

सिजया वागो

नोयुह्यासा

पुईचा

पुईको - ६

पुगा

वेनादि

सिप्रा

नाटचावा

हनाटलु

जोलाहुकं

सिं-मं

कि-से

कलत्रा

नाथे

निनाथे

हुं-रुना

जंका १००

रुना १०००

अस्वस्थामा वैरि

या - स्नासुकाप

वलिथा

पका-नोशुकाप

आसया

आरेवे-स्नासुकाप

रुनुमन्नेया

कथेनु-तुईकाप

विभीषाणया

लाकुमुस्या-स्नासुकाप-बुधया

शुक्रया

कुषाचार्यया

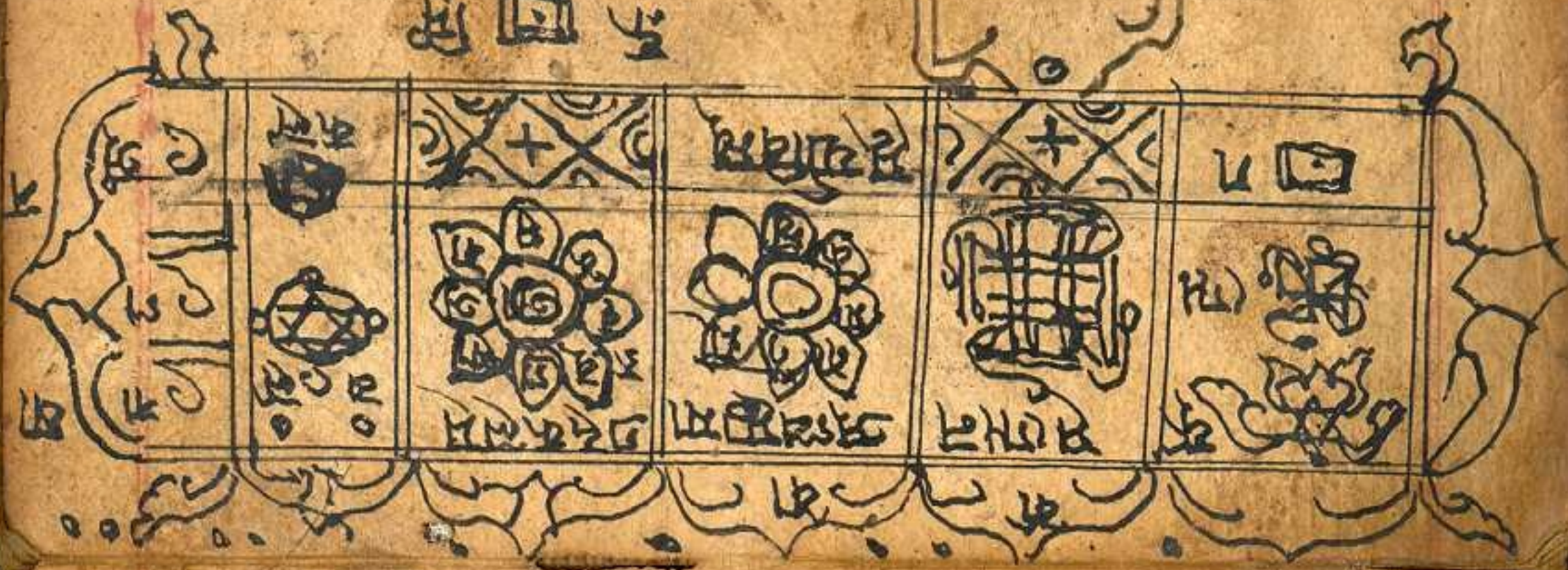
मास-नोशुकाप

वाक्यैस्वां	रुद्राक्ष -	१
वाक्यैस्वाक चा	उवे - गो -	२०
सादुर	उवापा -	२
चेदकदि	लेवाक्य -	२
साध धौ	धौवा -	२
लामो गुन	लोहमा -	१
गुद्रकापद्र	त्रोरव -	१
र्याउगुपाकाप	मिमिचि -	१
नोउगुपाकाप	सर्वोवठि	
लासा	सप्तमत्रिका	
गुकि -	गंगाजले	
वा - फं - १६	ईका - पका	
प्रताकि फं ४	पंचपक्रो - ५	
स्मानकलोडा ४	मोसिमो - ५	
मृत्पुंजयकलोडा १	उवा - ५	
शनधारा -		
सहस्रधारा - १		
सलापा - १७		

वरणिमान
 क्षोमि
 आमदेवोला
 ओं
 लुमार

॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

